विहिप बजरंग दल ने मनाया जनजातीय गौरव

दिवस

पानसेमल। नगर के सेवा भारती कार्यालय पर विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल ने जनजातीय गौरव दिवस मनाया। जिसमें धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा सहित महानायकों के अमूल्य योगदान को याद किया गया। कार्यक्रम के दौरान विभाग प्रशिक्षण प्रमुख विरेंद्र शुक्ला, प्रखंड संयोजक हरि जाधव ने भगवान बिरसा मुंडा के सर्व समाज के लिए कार्यों के बारे में बताया और उन्होंने कैसे तत्कालीन समय में अपने दृढ़ संकल्प से एक नई क्रांति को शुरू कर सफल बनाया था। उपस्थित

नर्मदा को प्रदूषण से बचाने की 92 करोड़ की योजना अधूरी

सीवेज प्रोजेक्ट 8 साल से लंबित, गंदा पानी सीधे नर्मदा में मिलने से बढ़ा खतरा, साधु-संतों और सामाजिक संगठनों ने जताई गंभीर चिंता

बड़वानी, (नवभारत)।
मां नर्मदा करोड़ों लोगों की आस्था का आधार हैं, लेकिन इसी पवित्र नदी में शहर का गंदा पानी लगातार मिलकर उसे दूषित कर रहा है। शहरभर की नालियों से निकलने वाला पानी पहले नदी के बहाव के साथ आगे बढ़ जाता था, लेकिन जब से सरदार सरोवर बांध का जलस्तर नियंत्रित कर पानी को रोका गया, तब से नदी का बहाव काफी धीमा हो गया है। जलभराव के कारण गंदा पानी अब नदी में ही ठहरता जा रहा है, जिससे प्रदूषण तेजी से बढ़ रहा है।साधु-संतों व सामाजिक संगठनों ने बताया कि नर्मदा की आस्था और अस्तित्व को बचाने के लिए ये परियोजना अत्यंत महत्वपूर्ण है। साधु-संतों से लेकर आम नागरिक तक उम्मीद लगाए बैठे हैं कि शासन इसे प्राथमिकता देकर जल्द पूरा कराए, ताकि पवित्र नर्मदा फिर से स्वच्छ, निर्मल और अविरल बन सके। इस गंभीर समस्या के समाधान के लिए नगर पालिका और मध्य प्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कंपनी एमपीयूडीसी ने वर्ष 2017-18 में 92 करोड़ रूपए से अधिक की लागत से सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट एसटीपी प्रोजेक्ट तैयार किया था। योजना के अनुसार शहर के हर घर के लेट्रिन, बाथरूम व कीचन का गंदा पानी पाइपलाइन से भीलखेड़ा गांव की सीमा में नाले स्थित एसटीपी तक पहुंचाना था, जहां फिल्टरिंग के बाद उस पानी का उपयोग अन्य कार्यों में किया जाना था, लेकिन 8 वर्षों बाद भी ये परियोजना अधूरी है। निर्माण में लगी पहली कंपनी ने काम बीच में छोड़ दिया, जिसके बाद अक्टूबर 2023 में दूसरी कंपनी को ठेका दिया गया।

परेशानी का कर रहे सामना

शहर की गली-मोहल्ले, कॉलोनियों सहित सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट तक 183 किमी लंबी भूमिगत पाइपलाइन बिछाई जानी थी, लेकिन अब तक कार्य अधूरा है। शहर की सड़कें जगह-जगह खोद दी गई हैं और धूल के गुबार और सड़कों की बदहाली की वजह से नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

भीलखेड़ा के समीप रोड़ किनारे लगे सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के शिलान्यास पर साफ उल्लेख है कि प्रोजेक्ट जून 2025 तक पूरा होना था, लेकिन निर्माण की धीमी गति की वजह से लक्ष्य दूर होता जा रहा है। जिम्मेदार अधिकारियों का दावा है कि अब 31 दिसंबर 2025 तक का एक्सटेंशन दिया गया है, लेकिन काम की रफ्तार देखकर यह लक्ष्य भी कठिन नजर आ रहा है। इसी ढिलाई का परिणाम है कि नर्मदा में नालों के पानी से गंदगी और बैक्टीरियां लगातार बढ़ रहे हैं।

फैक्ट फाइल
- मां नर्मदा करोड़ों लोगों की आस्था का आधार है।
- नालों के पानी से गंदगी और बढ़ रहे हैं बैक्टीरियां।

नर्मदा भक्तों ने जताई चिंता
2017 से पहले नदी का प्राकृतिक बहाव बना रहता था और गंदगी बह जाती थी, लेकिन अब जलभराव से शहर के नालों का पानी सीधे नदी में मिल रहा है, जिससे नर्मदा का अस्तित्व खतरे में है।2023, 2024 और 2025 में लिए गए पानी के सैंपलों में इसे पीने योग्य नहीं पाया गया। इसका असर जलीय जीवों, पशुओं और मानव स्वास्थ्य पर हो रहा है। नगर पालिका प्रोजेक्ट को तत्काल पूरा कराए।
- राहुल यादव, कार्यकर्ता नर्मदा बचाओ आंदोलन

नर्मदा नदी जीवन की धारा है
नर्मदा केवल एक नदी नहीं, बल्कि जीवन की धारा है। आज शहर के मुख्य नालों सहित कई छोटे नालों का गंदा पानी नर्मदा में मिल रहा है। सीवेज लाइन प्रोजेक्ट में शासन प्राथमिकता देकर जल्द पूरा कराए, ताकि पवित्र नर्मदा फिर से स्वच्छ, निर्मल और अविरल बन सके।
- सचिन शुक्ला, सचिव मां रोहिणी तीर्थ सेवार्थ सामाजिक समिति राजघाट

नर्मदा से जुड़ी लोगों की आस्था
नर्मदा में लाखों लोगों की आस्था जुड़ी है। भीलखेड़ा में निर्माणाधीन एसटीपी वर्षों से अधूरा है, जिससे नदी का जल प्रदूषित हो रहा है। इस परियोजना को शासन द्वारा प्राथमिकता से पूरा कराना अत्यंत आवश्यक है।
- हीरालाल पाटीदार, सदस्य मां रोहिणी तीर्थ सेवार्थ सामाजिक समिति राजघाट

शासन को देना चाहिए ध्यान
नर्मदा सदियों से पूजा, साधना और स्नान की पवित्र स्थली रही है। लेकिन अब शहर के मुख्य नालों सहित 3 नालों का गंदा पानी नदी में बह रहा है, जिससे जलीय जीवों की मौत तक हो रही है और श्रद्धालुओं की आस्था आहत हो रही है। वर्ष 2017 के बाद बांध का पानी रोकने से 8 माह तक जलभराव रहता है, बहाव न होने से गंदगी नदी में ही जम रही है। यदि इस ओर शासन ने ध्यान नहीं दिया तो नर्मदा भी अन्य प्रदूषित नदियों की श्रेणी में शामिल हो जाएगी।
- घनश्यामदास त्यागी बाबा, संत आस्था स्थल

प्रोजेक्ट को समय पर पूरा करने का प्रयास जारी
पिछले ठेकेदार को दिए समय तक काम पूरा न करने पर उसे हटाया और अब ये प्रोजेक्ट उनकी कंपनी को दिया गया है। उन्हें 31 दिसंबर 2025 तक कार्य पूरा करना है। मशीनें लगना शुरू हो गई हैं और प्रोजेक्ट को समय पर पूरा करने का प्रयास जारी है। योजना शुरू होते ही शहर का गंदा पानी नालों से नर्मदा में मिलना बंद हो जाएगा। अंजड़ में इसी तरह का प्रोजेक्ट सफलतापूर्वक काम कर रहा है और बड़वानी में भी उसी तरह नर्मदा को प्रदूषण से बचाने का लक्ष्य है।
- रवि जाधव, सीवेज प्रोजेक्ट मैनेजर

सांसद पटेल ने किया खेल महोत्सव का

बड़वानी, (नवभारत)।
ग्राम तलून स्थित खेल मैदान में सांसद खेल महोत्सव 2025 के अंतर्गत बड़वानी ग्रामीण मंडल की खेल प्रतियोगिताओं का शुभारंभ सांसद गजेन्द्रसिंह पटेल ने किया। सांसद पटेल ने खिलाड़ियों से परिचय लेकर शुभकामनाएं दी।

सांसद पटेल ने कहा कि खेलों का यह महाकुंभ निश्चित रूप से युवाओं में नई ऊर्जा, उत्साह और उत्कृष्टता का संचार करेगा। यशस्वी प्रधानमंत्री आदरणीय नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में खेलों इंडिया अभियान एवं फिट इंडिया मूवमेंट को गति प्रदान करते हुए यह खेल महोत्सव युवाशक्ति में खेल संस्कृति, अनुशासन, प्रतिस्पर्धा तथा स्वस्थ जीवनशैली के प्रसार का महत्वपूर्ण माध्यम बन रहा है।

सांसद पटेल ने जानकारी दी कि सांसद खेल महोत्सव के लिए डेढ़ लाख से अधिक प्रतिभागियों का पंजीयन हुआ है। जिले के सभी मंडलों की मंडल स्तरीय प्रतियोगिताएं होने के बाद जनपद स्तरीय प्रतियोगिताएं 23 से 29 नवंबर तक तथा जिला स्तरीय प्रतियोगिताएं 2 दिसंबर के बाद आयोजित होंगी।

कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद डॉ, सुमेरसिंह सोलंकी, पूर्व मंत्री प्रेमसिंह पटेल, भाजपा जिलाध्यक्ष अजय यादव, जिपं अध्यक्ष बलवंतसिंह पटेल, खेल संयोजक

एक नजर में

समाधान योजना से इंदौर के उपभोक्ता को तीन लाख की छूट

इंदौर . राज्य सरकार की समाधान योजना उपभोक्ताओं के लिए राहत का बड़ा जरिया बन रही है . शहर के मालवा मिल क्षेत्र के उपभोक्ता शाकिर अली को इस योजना के तहत करीब तीन लाख रुपए का सरचार्ज माफ हुआ है . कोविड अवधि के दौरान उनका लंबित बिजली बिल सरचार्ज सहित करीब साढ़े छह लाख रुपए तक पहुंच गया था . शुक्रवार को उन्होंने मूल राशि जमा की, जिसके बाद वर्षों से जुड़ा सरचार्ज तत्काल माफ हो गया . शाकिर अली ने योजना को आमजन के लिए उपयोगी बताते हुए कहा कि इससे उन्हें और उनके परिवार को बड़ी आर्थिक राहत मिली है . मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह ने बताया कि अब तक 9715 उपभोक्ता इस योजना का लाभ ले चुके हैं . इन्हें पात्रतानुसार 64 लाख रुपए से अधिक की रियायत दी गई है, जबकि कंपनी को पांच करोड़ रुपए से ज्यादा का राजस्व प्राप्त हुआ है . कंपनी ने तीन माह से अधिक के बकायादार उपभोक्ताओं से योजना का लाभ लेकर सरचार्ज छूट प्राप्त करने की अपील की है .

दो वाहनों से लाखों की अवैध शराब जब्त

इंदौर . अवैध शराब तस्करी पर सख्ती जारी रखते हुए आबकारी विभाग ने शहर में दो अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई कर दो वाहनों से बड़ी मात्रा में अवैध शराब जब्त की है . एक आरोपी को अदालत ने जेल भेज दिया है, जबकि दूसरे के खिलाफ भी प्रकरण दर्ज कर पूछताछ की जा रही है . आबकारी वृत्त बालदा कॉलोनी प्रभारी मीरा सिंह की टीम ने मुखबिर की सूचना पर रीजनल पार्क के सामने घेराबंदी कर एक एक्टिवा से ले जाई जा रही 50 बल्क लीटर से अधिक शराब पकड़ी . आरोपी प्रदीप जाधव को हिरासत में लेकर मप्र आबकारी अधिनियम 1915 के तहत प्रकरण दर्ज किया . पेशी के बाद न्यायालय ने उसे जेल भेज दिया . इसी तरह आबकारी वृत्त आंतरिक-2 प्रभारी जया मुजाल्दे के नेतृत्व में दिलीप नगर, सुपर कॉरिडोर इलाके में गश्त के दौरान एक स्कूटर से 50 पाव देसी प्लेन, 50 पाव देसी मसाला और 46 पाव सीपी वोडका जब्त की . इस मामले में आरोपी अनिल रघुवंशी को पकड़ा . उसके खिलाफ भी आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई की . जब्त शराब और दोनों वाहनों की कीमत करीब 78 हजार 400 रुपए बताई जा रही है .

नो-एंट्री में घुसे वाहन चालकों से 60 हजार वसूले

इंदौर . शहर की सड़कों पर नियम तोड़कर प्रवेश करने वाले भारी वाहनों पर पुलिस ने सख्त रुख अपनाते हुए 24 घंटे की कार्रवाई में कई ड्राइवरों पर जुर्माना ठोका . शहर में सुचारू और सुरक्षित यातायात बनाए रखने के लिए पुलिस कमिश्नरेट के निर्देश पर लगातार निगरानी रखी जा रही है, जिसके तहत 14 नवंबर की सुबह से 15 नवंबर की सुबह तक नो-एंट्री क्षेत्र में प्रतिबंधित समय पर भारी वाहन लेकर घुसने वाले ड्राइवरों पर विशेष कार्रवाई की गई . टीमों ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में तैनाती कर ऐसे 12 वाहनों को रोककर चालानी कार्रवाई की . इनसे 60 हजार रुपए का समन शुल्क वसूलकर राशि शासन के खाते में जमा कराई गई . पुलिस ने सभी ड्राइवरों को कड़ाई से हिदायत दी कि निर्धारित समय और प्रशासनिक निर्देशों का पालन करना अनिवार्य है, अन्यथा आगे और कड़ी कार्रवाई की जाएगी .

ट्रैफिक हेल्पलाइन पर 12 शिकायतों का तुरंत समाधान

इंदौर . यातायात संबंधी शिकायतों के तुरंत समाधान के लिए ट्रैफिक पुलिस द्वारा व्हाट्सएप हेल्पलाइन नंबर जारी किया गया है, जिस पर नागरिक सीधे समस्याएं दर्ज करा सकते हैं . शहर में निर्बाध यातायात व्यवस्था के लिए ट्रैफिक पुलिस हर शिकायत पर तुरंत कार्रवाई कर रही है . हेल्पलाइन पर आई 14 शिकायतों में से 12 का उसी समय निपटारा कर दिया है .

एक नजर में धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर हुआ आयोजन

मेरा गांव मेरी जिम्मेदारी यात्रा का हुआ ऐतिहासिक शुभारंभ

नवभारत न्यूज़
सेंधवा, 17 नवम्बर
धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता, पूर्व राज्य कर अधिकारी और पूर्व लोकसभा प्रत्याशी पोरलाल खर्ते द्वारा मेरा गांव मेरी जिम्मेदारी यात्रा का शुभारंभ किया गया। यात्रा की शुरुआत खरगोन जिले के भगवानपुरा विधानसभा क्षेत्र स्थित पवित्र एवं ऐतिहासिक बिजागढ़ वाले बाबा शिव मंदिर से हुई। जहां

यात्रा संयोजक पोरलाल खर्ते का स्वागत किया। महादेव भगवान के जयकारों और न विधानसभा न लोकसभा, सबसे बड़ी ग्रामसभा के नारों के साथ यात्रा की शुरुआत हुई।

यात्रा दल जलालाबाद पहुंचा, जहां सरपंच बाटा सेनानी के निवास पर पहुंचे। यहां से यात्रा चाचरिया पहुंची और भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पूजा-अर्चना कर बलखड़ के लिए रवाना हुई।

यात्रा का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण समाज की वास्तविक समस्याओं को समझना, संवाद स्थापित करना और जनजागरण से उनके समाधान की दिशा में सार्थक पहल करना है। यात्रा के दौरान गांव-गांव जाकर शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली व पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं का आंकलन किया जाएगा।किसानों और मजदूरों की समस्याएं भी यात्रा का महत्वपूर्ण हिस्सा होंगी। महिलाओं की सुरक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, स्व सहायता समूहों की भूमिका और उनके सशक्तिकरण से जुड़े मुद्दों को भी प्रमुखता दी जाएगी।

युवा वर्ग के रोजगार, कौशल विकास और पलायन की समस्या पर भी यात्रा केंद्रित रहेगी। साथ ही नशामुक्ति अभियान, पर्यावरण संरक्षण, जल प्रबंधन, वृक्षारोपण व प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण पर जागरूकता फैलाई जाएगी। ग्रामीणों को संवैधानिक अधिकारों, सरकारी योजनाओं व ग्रामस्वराज की अवधारणा से भी परिचित कराया जाएगा।

2027 तक रहेगी जारी

यात्रा किसी राजनीतिक अभियान का हिस्सा नहीं, बल्कि सामाजिक जागरूकता व जनभागीदारी का दीर्घकालिक कार्यक्रम है, जो वर्ष 2027 तक निरंतर जारी रहेगा। यात्रा के दौरान प्राप्त सुझावों को संकलित कर समय-समय पर उचित स्तर पर भोपाल में प्रस्तुत किया जाएगा।

सामुदायिक पुलिसिंग को मजबूत करने पर दिया जोर

- डीआईजी (सामुदायिक पुलिसिंग) विनीत कपूर ने की समीक्षा बैठक

नव भारत न्यूज
इंदौर. पुलिस और आमजन के बीच समन्वय को और मजबूत बनाने तथा सामुदायिक पुलिसिंग को व्यापक स्तर पर आगे बढ़ाने के लिए पुलिस कमिश्नर कार्यालय में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई. बैठक की अध्यक्षता पुलिस मुख्यालय भोपाल से आए उप पुलिस महानिरीक्षक (सामुदायिक पुलिसिंग) विनीत कपूर ने की.

पुलिस मुख्यालय के निर्देशों के तहत आयोजित इस बैठक में इंदौर पुलिस द्वारा सामुदायिक पुलिसिंग के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों और नई योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई.

और भी पहल होंगी शुरू

बैठक में यह भी तय किया कि आने वाले समय में इंदौर पुलिस समाज के साथ मिलकर सामुदायिक पुलिसिंग के तहत और कई पहल शुरू करेगी, ताकि शहर में सुरक्षित और सहयोगात्मक वातावरण तैयार किया जा सके . बैठक में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अमित कुमार सिंह, डीसीपी प्रकाश परिहार, सीमा अलावा, राजेश दंडोतिया, संध्या राय, प्रियंका डुडवे, मीना चौहान सहित कमिश्नरेट के सभी एसीपी उपस्थित रहे .

पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित बैठक में अधिकारियों ने प्रजेंटेशन के माध्यम से मोहल्ला समिति बैठक, जनसंवाद, ड्रग एवं अपराध निवारण पेटी, साइबर जागरूकता कार्यक्रम, नशे के दुष्प्रभावों पर अभियान, महिला सुरक्षा संबंधी गतिविधियों और नगर सुरक्षा समिति जैसे प्रयासों की जानकारी दी. बताया गया कि इन पहलों से नागरिकों की भागीदारी बढ़ी है और अपराध नियंत्रण में सकारात्मक प्रभाव दिखाई दे रहे हैं.

डीआईजी कपूर ने की इंदौर पुलिस की सराहना-डीआईजी विनीत कपूर ने इंदौर पुलिस की पहल की सराहना करते हुए कहा कि सेफ क्लिक, नशे से दूरी है जरूरी, सृजन जैसे अभियान समाज में प्रभावी जनजागरूकता पैदा कर रहे हैं. उन्होंने सुझाव दिया कि इन प्रयासों को और व्यापक स्तर पर ले जाकर सामाजिक संगठनों, शिक्षित नागरिकों और जिम्मेदार समूहों को जोड़ने से परिणाम और बेहतर होंगे. उन्होंने कहा कि पुलिस समाज का ही हिस्सा है और नागरिक सहभागिता बढ़ने से अपराध नियंत्रण के साथ-साथ सामाजिक जागरूकता भी मजबूत होती है.

तेज रफ्तार आयशर ने ली युवक की जान

नव भारत न्यूज
इंदौर. गांधीनगर रोड पर देर शाम एक आयशर वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी. इसमें बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई. आयशर चालक हादसे के बाद वाहन छोड़कर फरार हो गया. पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है.

थाना प्रभारी अनिल यादव ने बताया कि गांधीनगर रोड पर देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया. काम से घर लौट रहे हातोद निवासी 24 वर्षीय जीवन पिता बंशी राठौर को तेज रफ्तार आयशर वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी. टक्कर

इतनी भीषण थी कि युवक की मौके पर ही मौत हो गई. जीवन एक कंपनी में कार्यरत था और ड्यूटी खत्म कर बाइक से घर जा रहा था. इसी दौरान तेज गति से आ रहे आयशर ने उसे अपनी चपेट में ले लिया. हादसे के बाद आयशर चालक वाहन छोड़कर मौके से भाग निकला. सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा. पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी चालक की तलाश शुरू कर दी है.

नकली टेप बनाने की फैक्ट्री पकड़ी

- कोर्ट के आदेश पर सांवेर रोड स्थित फैक्ट्री पर पुलिस ने दी दबिश

नव भारत न्यूज
इंदौर. कॉपीराइट उल्लंघन की शिकायत पर अदालत के हस्तक्षेप के बाद सांवेर रोड स्थित एक औद्योगिक इकाई में बड़े पैमाने पर फर्जी टेप बनाने का मामला उजागर हुआ है. पुलिस ने यहां से भारी मात्रा में नकली पोलाद ब्रांड टेप और उससे जुड़े कच्चे माल के साथ कई अहम दस्तावेज जब्त किए हैं. पुलिस ने यह कार्रवाई कोर्ट से

आदेश मिलने के बाद की.

बाणगंगा पुलिस को अदालत से मिले आदेश के बाद सांवेर रोड की एक औद्योगिक यूनिट पर कार्रवाई की गई. टीम को यहां नकली पोलाद ब्रांड टेप बनाने का पूरा सेटअप मिला. पुलिस ने मौके से फर्जी टेप की बड़ी खेप, निर्माण में उपयोग होने वाला कच्चा माल, डाई, मशीनरी संबंधित दस्तावेज और बिलों की प्रतियां जब्त कीं, सभी सामग्री कोर्ट में पेश कर दी गई है.

एक गलती ने खोल दिया 30 ई-चालान का राज

- ट्रैफिक पुलिस ने बाइक की जब्त

नव भारत न्यूज
इंदौर. शहर में हेलमेट जागरूकता और नियम उल्लंघन के खिलाफ चल रही कार्रवाई के दौरान एक बाइक सवार की लापरवाही ने उसका पुराना रिकॉर्ड भी सामने ला दिया. दरअसल, ट्रैफिक पुलिस लगातार नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई कर रही है. इसी क्रम में, पलासिया चौराहे पर एक वाहन चालक पर बड़ी कार्रवाई की गई, जिसके 30 पुराने

चालान लंबित थे.डीसीपी यातायात जोन 4 आनंद कलादगी के निर्देश पर ट्रैफिक पुलिस टीम पलासिया चौराहे पर चेकिंग कर रही थी. इसी दौरान बाइक नम्बर एमपी 09 वीएम 0299 के चालक को नियम उल्लंघन करने पर रोका. जवान द्वारा ऑनलाइन जांच की तो वे हैरान रह गए. ऑनलाइन जांच में पता चला कि चालक लगातार बिना हेलमेट वाहन चला रहा था. बार-बार नियम तोड़े जाने को गंभीरता से लेते हुए सूबेदार ब्रजराज अजनार ने मौके पर ही बाइक जब्त कर ली.

एक नजर में घोषणा के बावजूद बीआरटीएस को हटाने का काम नहीं हुआ शुरू

वाहन चालकों की परेशानी बना हुआ है 11 किलोमीटर का बीआरटीएस

इंदौर. शहर के एबी रोड पर करोड़ों रुपए में बनाई गई बीआरटीएस की 11 किलोमीटर लंबी सडक़ आज भी लोगों के उपयोग में नहीं आ रही है. हालांकि ऐलान होने के बाद भी बीआरटीएस अब तक नहीं हटाया जा सका.जबकि शहर के बिगड़े यातायात से आम जनता बेहाल हो रही है.

शहर में बढ़ते यातायात को लेकर हर दिन शहर की जनता परेशान होती दिखाई पड़ती है. लगातार बढ़ती वाहनों की संख्या के कारण वाहन चलाने के लिए अब सडक़ें कम पडऩे लगी हैं. नगर निगम ने बड़ा फैसला लेते हुए बीआरटीएस बनाया, जो यातायात की परिस्थितियों को देखते हुए उचित कदम नहीं था. इस पर करोड़ों रुपए खर्च किए गए और शहर की मुख्य सडक़ माने जाने वाले एबी रोड का बड़ा हिस्सा बीआरटीएस के लिए अधिग्रहित कर दिया गया.

निरंजनपुर चौराहा से लेकर राजीव गांधी चौराहा तक एबी रोड ऐसा मार्ग है, जो सुबह से लेकर देर रात तक व्यस्त रहता है. इस मार्ग से जुड़े सभी चौराहों में से एक भी ऐसा चौराहा नहीं है, जहां यातायात का भार बीआरटीएस बनाने का प्रयोग किया हटाने की कवायद चल रही है,

यह बोले नागरिक ...

एबी रोड एक ऐसा मार्ग है, जो पूरे शहर की लाइफ लाइन कहा जाता है. यह दूसरे शहरों को भी इंदौर शहर से कनेक्ट करता है. ऐसे में इस मार्ग पर यातायात का भार ज्यादा होता है.
- मनोज ओझा

बीआरटीएस को बनाया जा रहा था, तब भी नागरिकों ने विरोध कर बताया था कि इससे शहर का यातायात प्रभावित होगा, तब प्रशासन ने नहीं सुना. अब इसे हटाने का ऐलान हुआ है तो जल्दी से लोगों को राहत देना चाहिए. **- रवि वर्मा**

भविष्य की नीति को अनदेखा कर करोड़ों में इसका निर्माण कार्य हुआ और आज फिर से करोड़ों रुपए लगाकर इसे हटाया जाएगा. अदूरदर्शिता के कारण दोनों ही कार्य में निगम ने जनता के पैसे का नुकसान किया है.
- मनोज रावत